सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 287 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 25 नवम्बर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

बड़ा वेतन और छोटी जिम्मेदारी शायद ही कभी एक साथ पाए जाते हैं।
–नेपोलियन हिल

भारत ने पर्थ में तोड़ा ऑस्ट्रेलिया... 7 | चांद तक पहुंची आधी आबादी... 3 | भाजपा ने बूथ कैप्चरिंग करके... 2

सपा से हाथ मिलाएंगी मायावती!

उपचुनावों में हार से निराश हैं बसपा प्रमुख

» सियासी गलियारों में चर्चा ले सकती हैं संन्यास

» राजनीतिक शून्य और रावण से मिल रही है तगड़ी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने देश में किसी भी उपचुनाव में हिस्सा लेने से मना कर दिया है। राजनीतिक विषेलशक उनके इस कदम को राजनीतिक संन्यास की तरफ बढ़ता कदम बता रहे हैं। तो क्या वाकई में वह राजनीतिक संन्यास लेंगी? या फिर अपने पुराने सियासी पार्टनर समाजवादी पार्टी से हाथ मिलाएंगी। चुनाव के नतीजे तो इसी ओर इशारा कर रहे हैं कि राजनीतिक राह पर हाथी की सवारी वह अब तभी कर पाएंगी जब साइकिल पर सवार होंगी।

उपचुनाव से दूर रहने वाली मायावती ने इस बार उपचुनाव की चुनौती को स्वीकार किया और मुस्तैदी से लड़ी। सभी जगह अपने प्रत्याशी उतारे लेकिन सभा करने कहीं नहीं गयी। उन्हें उम्मीद थी कि कटेहरी में जरूर जीतेंगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और वहां भी हाथी नहीं जीत सका। लोकसभा के बाद इन उप चुनाव में भी मायावती के नतीजे सिफर रहे। एक बार फिर इस बात की चर्चा जोरों पर हो रही है कि मायावती समाजवादी पार्टी से गठबंधन कर सकती है। क्योंकि 2017 के चुनाव में उन्हें सपा से हाथ मिलाने के बाद नया राजनीतिक जीवन मिला था। मायावती को लगातार चुनौतियों का समाना करना पड़ रहा है। उनके पुराने साथी साथ छोड़कर जा चुके हैं। दलित बिरादरी को छोड़कर उन्हें अन्य जातियों का वोट नहीं मिल रहा है और चन्द्रशेखर रावण सबसे बड़ी चुनौती के तौर पर उभर रहे हैं।

धीरे-धीरे बढ़ रहा रावण का कद

शनैः शनैः युवा दलित मतदाताओं के मन पर आजाद समाज पार्टी के मुखिया चन्द्रशेखर रावण का जादू चलता दिखायी दे रहा है। कुंदरकी में जहां बीएसपी को 500 वोट भी नहीं मिले वहीं आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी को 2 हजार से जयादा वोट मिले। दलित राजनीतिक की करीब से समझ रखने वाले बीडी नकवी कहते हैं कि मायावती के साथ 40 आयु वर्ग से उपर के दलित मतदाता भरोसा करते हैं। जबकि चन्द्रशेख रावण ने युवा दलित मतदाताओं के मन में अपनी जगह बना ली है।

खत्म हो रहा है बसपा का वोटबैंक

कुछ सीटों पर बीएसपी ने मुस्लिम और सवर्ण प्रत्याशी उतारे, जिससे अन्य दलों के वोट बैंक में सेंध लगने की संभावना बनी। मीरापुर और कुंदरकी जैसी सीटों पर मुस्लिम वोटों के विभाजन से सपा को नुकसान हुआ, जबकि कटेहरी सीट पर बीएसपी ने बीजेपी को चुनौती दी पिछले प्रदर्शन की तुलना- 2010 के बाद यह पहला मौका था जब बीएसपी ने इतने सक्रिय रूप से उपचुनावों में भाग लिया। बीएसपी के लिए यह चुनाव अपनी खोई जमीन वापस पाने का एक प्रयास था। पार्टी का वोट शेयर धीरे-धीरे कम हो रहा है, और उपचुनाव में भी इस पर प्रभाव दिखा।

महाराष्ट्र में हार से हाहाकार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी की हार के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने इस्तीफे की पेशकश की है। पटोले ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना पद छोड़ने की पेशकश की है और जिम्मेदारी से मुक्ति किए जाने का आग्रह किया है। हालांकि, नाना पटोले की दिल्ली दौरे पर अभी तक खड़गे या लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी से व्यक्तिगत मुलाकात नहीं हो सकी है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में पटोले की अब तक सिर्फ पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात हो सकी है। फिलहाल, पार्टी आलाकमान ने इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंढे ने नाना पटोले के इस्तीफे की खबरों को खारिज किया है. उन्होंने कहा, नाना पटोले दिल्ली में हैं लेकिन उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया है। इस चुनाव में कई वरिष्ठ नेता हार गए हैं। एक प्रक्रिया है जो की जा रही है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की जरूरत नहीं है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति ने बंपर जीत हासिल की है। वहीं विपक्ष ने राज्य में नतीजे हासिल करने के लिए बीजेपी पर ईवीएम में हेराफेरी का आरोप लगाया है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे सहित कई विपक्षी नेताओं ने नतीजों पर आश्चर्य जताया और कहा, किसी भी प्रमुख मुद्दे पर ध्यान नहीं देने के बावजूद महाराष्ट्र में एनडीए की जीत देखना आश्चर्यजनक है।

यूपी के संभल में हुई हिंसा को लेकर भड़के राहुल-प्रियंका

» सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग की, बोले सांसद- भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर रही है

» लोकसभा में विपक्ष का हंगामा, सदन स्थगित

» संसद के शीतकालीन सत्र में कई मुद्दों पर चर्चा की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के संभल में रविवार को मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा को लेकर विपक्ष ने भाजपा सरकार को घेरा है। समाजवादी पार्टी से लेकर बसपा और कांग्रेस ने इस मुद्दे पर निष्पक्ष जांच की मांग की है। अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इस मुद्दे को उठाया है। दोनों नेताओं ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से न्याय की अपील की है।

अडानी और वक्फ संशोधन विधेयक की ही गूंज सुनाई दी। इन मामलों को उठाने के बाद राज्यसभा व लोकसभा दोनो जगह जबरदस्त हंगामा हुआ उसके बाद दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक स्थगित हो गई। विपक्ष ने अडानी रिश्वत प्रकरण सामने आने के बाद और भी हमलावर रुख अपना लिया है। इंडिया अडानी मामले में पहले ही दिन चर्चा कराने पर अड़ा है। दूसरी तरफ, सरकार ने विपक्ष के विरोध की परवाह न करते हुए वक्फ संशोधन विधेयक इसी सत्र में पेश करने का संकेत दिए हैं।

राज्य सरकार का रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण : प्रियंका गांधी

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, संभल में अचानक उठे विवाद को लेकर राज्य सरकार का रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इतने संवेदनशील मामले में बिना दूसरा पक्ष सुने, बिना दोनों पक्षों को विश्वास में लिए प्रशासन ने जिस तरह हड़बड़ी के साथ कार्रवाई की, वह दिखाता है कि सरकार ने खुद माहौल खराब किया। प्रशासन ने जरूरी प्रक्रिया और कर्तव्य का पालन भी जरूरी नहीं समझा।

प्रशासन की असंवेदनशीलता ने बिगाड़ा माहौल : राहुल

नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा, कि संभल, में हालिया विवाद पर राज्य सरकार का पक्षपात और जल्दबाज़ी भरा रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हिंसा और फायरिंग में जिन्होंने अपनों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। प्रशासन द्वारा बिना सभी पक्षों को सुने और असंवेदनशीलता से की गई कार्रवाई ने माहौल और बिगाड़ दिया और कई लोगों की मृत्यु का कारण बना जिसकी सीधी जिम्मेदार भाजपा सरकार है।

भाजपा ने बूथ कैप्चरिंग करके जीतीं 7 सीटें : अखिलेश

बोले- पीडीए के कर्मियों को चुनाव ड्यूटी से हटाना ही बीजेपी की हार का था संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उपचुनावों के परिणाम के बाद भाजपा पर करारा प्रहार किया है। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा ने उपचुनाव में 7 सीटें इलेक्ट्रॉनिक बूथ कैप्चरिंग करके जीतीं। उन्होंने कहा कि अगर ईवीएम की कोई फोरेंसिक जांच संभव हो तो बटन दबाने के पैटर्न से ही पता चल जाएगा कि एक ही उंगली से कितनी बार बटन दबाया गया।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा का हारने का डर तो उसी दिन साबित हो गया था, जिस दिन उसने पीडीए के अधिकारियों-कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी से हटा दिया था। हमने तो भाजपा की बदनीयत को समझ कर तब ही विरोध किया था, लेकिन जब शासन-प्रशासन ही दुशासन बन जाए तो लोकतंत्र के चीर हरण को कौन रोक सकता है। उन्होंने कहा कि जिनकी उंगलियों पर निशान नहीं है, उनके भी वोट डाले गए हैं। चुनाव आयोग देखे कि जिनका नाम दर्ज है, वो बूथ तक पहुंचे भी या नहीं। सब साफ हो जाएगा। यह नए जमाने की इलेक्ट्रॉनिक बूथ कैप्चरिंग का मामला है। अगर पीडीए के अधिकारी-कर्मचारी बदलकर धांधली न की होती तो भाजपा एक सीट के लिए भी तरस जाती। जब ऐसी व्यवस्था मिल्कीपुर (अयोध्या) में नहीं हो पाई तो वहां का चुनाव ही टाल दिया। अखिलेश ने कहा, देश तब एक लोकतांत्रिक क्रांति की ओर बढ़ने लगता है जब उसे कहीं से भी इंसाफ की उम्मीद दिखाई नहीं देती। इतनी सी बात तो अशिक्षित भी समझता है कि पेट की आग कभी भी उसको नहीं जिता सकती, जिसने रोटी-रोजगार छीना हो।

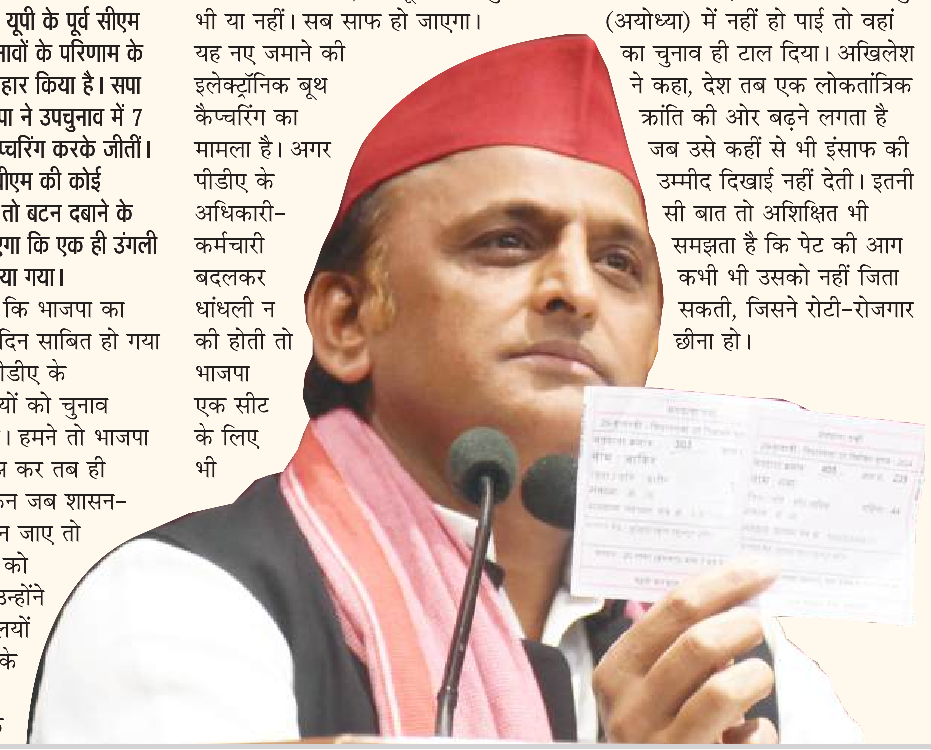

अन्याय और उत्पीड़न लोगों को तोड़ता नहीं जोड़ता है

एक साहसी महिला ने जिस समय अपने वोट देने के अधिकार का कागज बंदूक के सामने तान दिया था, भाजपा उसी समय हमेशा के लिए हार गई थी। इन परिणामों से पीडीए हताश नहीं है, बल्कि अन्याय और उत्पीड़न लोगों को तोड़ता नहीं जोड़ता है। पीडीए समाज का जो उत्पीड़न और अपमान प्रभुत्ववादियों ने किया है, उसका दर्द पीडीए ही समझ सकता है। अखिलेश ने कुंदरकी के उपचुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाया। कहा, अलग-अलग तरह की पर्चियां बांटी गईं।

सर्वे के नाम पर तनाव फैलाने की कोशिश कर रही बीजेपी

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संभल मामले में एक्स के माध्यम से कहा कि सर्वे के नाम पर तनाव फैलाने की साजिश का सर्वोच्च न्यायालय तुरंत संज्ञान ले और जो अपने साथ समाजिक सद्भाव बिगाड़ने के उद्देश्य से नारेबाजों को ले गए उनके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज होना चाहिए। साथ ही उनके खिलाफ बार एसोसिएशन भी अनुशासनात्मक और दंडात्मक कार्रवाई करे। सर्वे के नाम पर तनाव फैलाने की साज़िश का 'सर्वोच्च न्यायालय' तुरंत संज्ञान ले और जो अपने साथ सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने के उद्देश्य से नारेबाज़ों को ले गये, उनके ख़िलाफ़ शांति और सौहार्द बिगाड़ने का मुक़दमा दर्ज हो और उनके ख़िलाफ़ 'बार एसोसिएशन' भी अनुशासनात्मक और दंडात्मक कार्रवाई हो।

अखिलेश यादव कर रहे हैं मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति : केशव मौर्य

संभल में सर्वे को लेकर हुई हिंसा के बाद समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयानों पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अखिलेश पर फिर से मुस्लिम तुष्टीकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब सुशासन है। जो भी गड़बड़ी करेगा उसके खिलाफ कानून सख्ती से कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि संभल मामले में न्यायालय के आदेश पर जिला प्रशासन द्वारा शांति पूर्ण तरीके से सर्वे कराया जा रहा है लेकिन यह सपा को हजम नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव में मुस्लिम मतदाताओं ने भी कमल का बटन दबाकर भाजपा पर विश्वास जताया है जिससे सपा बौखला गई है। यही कारण है सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मुस्लिम तुष्टीकरण की गंदी राजनीति फिर से शुरू कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा ने वोट बैंक की राजनीति के लिए यूपी को दंगा प्रदेश बना दिया था लेकिन अब प्रदेश में सुशासन है।

2025 में बिहार जीतेंगे : तेजस्वी

उपचुनाव में सीटें गंवाने के बाद बोले राजद नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार उपचुनाव में तीन विधानसभा सीट गंवाने के बाद राष्ट्रीय जनता दल अब अगले चुनाव की तैयारी में जुट गई है। इसको लेकर पार्टी ने कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई है। कार्यक्रम में कुछ नेता भी राजद में शामिल हुए। इसमें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के साथ प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चैधरी, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुलबारी सिद्दकी समेत पार्टी के सभी वरीय नेता शामिल हुए हैं।

इस कार्यक्रम का नाम बदलो बिहार कार्यकर्ता मिलन समारोह का दिया गया है। इस समारोह के जरिए तेजस्वी यादव बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं को तैयार रहने का संदेश दिया। राजनीतिक पंडितों की मानें तो रामगढ़, बेलागंज और इमामगंज सीट राजद के खाते में थी। उपचुनाव परिणाम ने राजद से तीनों सीटें छीन ली। यह चौंकाने वाला था। इस कारण राजद कार्यकर्ता मिलन समारोह के लिए उपुचनाव में हार की समीक्षा कर रहा है। साथ ही आगामी

विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर लालू यादव और तेजस्वी यादव अपने कार्यकर्ताओं को अभी से तैयारी में जुटने का मंत्र दिया। तेजस्वी यादव ने कहा कि 2024 में बिहार जीते। आने वाले 2025 में हमलोग बिहार भी जीतने वाले हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है।

बिहार बदलाव चाहता है। डबल इंजन की सरकार में एक इंजन भ्रष्टाचार में लगा और दूसरा अपराध करने में। 20 साल में एनडीए सरकार ने केवल बिहार के लोगों को ठगा है। मोदी जी ने दो करोड़ रोजगार और 15 लाख रुपये देने का वादा किया था। लेकिन, कोई काम नहीं किया।

ईवीएम के जरिये फर्जी वोटिंग लोकतंत्र के लिए चिंता की बात : मायावती

बोलीं- जब तक फर्जीवाड़ा नहीं रुकेगा तब तक बसपा नहीं लड़ेगी कोई उपचुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपचुनाव में करारी हार के बाद बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि आम चर्चा है कि ईवीएम के जरिये फर्जी वोट डालने का कार्य किया जा रहा है, जो लोकतंत्र के लिए चिंता की बात है। लिहाजा बसपा ने फैसला लिया है कि जब तक देश में फर्जी वोटिंग की रोकथाम के लिए चुनाव आयोग कोई सख्त कदम नहीं उठाता है, तब तक बसपा कोई उपचुनाव नहीं लड़ेगी।

मायावती ने बयान में कहा कि लोकसभा व राज्यों में विधानसभा चुनाव के साथ-साथ उपचुनावों में तो अब यह कार्य खुलकर किया जा रहा है। यूपी उपचुनाव में भी ऐसा देखने को मिला है। इस बार महाराष्ट्र चुनाव में भी इसे लेकर काफी आवाजें उठाई जा रही हैं।

यह लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। आम चुनाव में सरकारी मशीनरी सत्ता परिवर्तन से डरती भी है। जनता पर भी सरकारी मशीनरी का कोई ज्यादा दबाव एवं डर नहीं होता है। इसे ध्यान में रखकर ही बसपा अब लोकसभा व विधानसभा चुनाव तथा स्थानीय-निकायों आदि के भी चुनाव पूरी तैयारी व दमदारी के साथ ही लड़ेगी। बता दें, उपचुनाव में मायावती की पार्टी ने बहुत बुरा प्रदर्शन किया। अजीब बात यह थी कि मायावती या पार्टी के किसी भी बड़े नेता को उपचुनावों में प्रचार करते नहीं देखा गया।

आपस में मिले हुए हैं कांग्रेस-भाजपा के लोग

उन्होंने आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद का नाम लिए बिना कहा कि बसपा को रोकने के लिए कांग्रेस व बीजेपी एंड कंपनी के लोग आपस में मिले हैं। पर्दे के पीछे से दलित समाज में से बिकाऊ व स्वार्थी किस्म के लोगों की पार्टियां बनवा दी हैं, जिनको चलाने व चुनाव लड़ाने आदि पर पूरा धन इन जातिवादी पार्टियों का खर्च होता है। तभी इन पार्टियों के नेता दर्जनों गाड़ियों को साथ में लेकर चलते हैं। हेलीकॉप्टर व प्लेन से भी चुनावी दौरे करते हैं। ऐसे दलों के नेताओं को सांसद और विधायक भी बनवाते हैं। ऐसे में अब दलितों को जाति, बिरादरी, रिश्ते, यार-दोस्तों आदि के चक्कर में ना पड़कर अपना वोट अपनी एकमात्र हितैषी पार्टी बसपा को ही देना है।

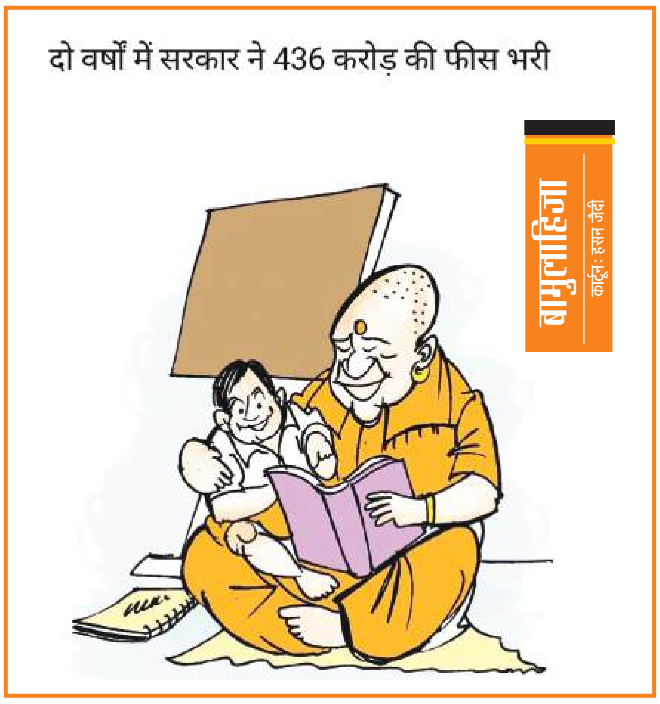

पीठ में छुरा घोंपने में माहिर होते हैं लोग : वसुंधरा राजे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। प्रदेश में सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने पांच सीटें जीतकर अप्रत्याशित परिणाम हासिल किया है। इन्हीं अप्रत्याशित परिणामों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की जोड़ी की जमकर तारीफें हो रही हैं।

पार्टी की जीत पर दी बधाई

इधर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने सोशल मीडिया एक्स पर जीत की बधाई दी परंतु राजे की बधाई से ज्यादा उनका झालावाड़ में एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया भाषण ज्यादा चर्चाओं में आ गया। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे महाराणा प्रताप की प्रतिमा अनावरण

कार्यक्रम के दौरान महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़ी बातों पर चर्चा करते हुए कुछ ऐसा कह गईं, जिसकी चर्चा हर तरफ चल पड़ी है। मंच से बोलते हुए उन्होंने कहा- महाराणा प्रताप के जीवन से हमें सीखना चाहिए है कि लोग पीठ में छुरा घोंपने में माहिर होते हैं। महाराणा कभी ऐसा नहीं करते थे और निहत्थे पर वार करने की बजाय अपने साथ दो तलवारें रखते थे, एक अपने लिए और एक निहत्थे के लिए।

चांद तक पहुंची आधी आबादी पर बेबसी बाकी!

समाज की सोच व मानसिकता अब भी पुरानी

आज भी पीड़ा की बेड़ियों में जकड़ी हैं महिलाएं

रंजना ध्रुव प्रकाश/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इतनी आगे बढ़ने के बाद भी भारत की महिलाएं आज भी पीड़ित हैं। जब महिलाएं चांद पर कदम रख चुकी हैं, अंतरिक्ष विज्ञान,राजनीति खेल,व्यवसाय, शिक्षा व अन्य कई क्षेत्रों में असाधारण सफलता प्राप्त कर रही हैं। पर आज भी यह सोचने पर मजबूर होना पड़ता है कि वे घर, परिवार और समाज में आज भी पीड़ा क्यों सहन करती हैं। यह एक ऐसा सवाल है, जिसका उत्तर हमारे सामाजिक ढांचे और मानसिकता में छिपा है। हमारा समाज भले ही विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में कितनी भी प्रगति क्यों न कर ले, लेकिन महिलाओं को लेकर उसकी सोच अब भी पुराने जमाने की बनी हुई है।

हमारा समाज अब भी पितृसत्तात्मक मानसिकता से प्रभावित है, जहां महिलाओं को केवल घर संभालने की जिम्मेदारी तक सीमित रखा गया है। भले ही उन्होंने अपने हुनर और मेहनत से हर क्षेत्र में सफलता हासिल की हो, लेकिन उनके व्यक्तिगत अधिकारों और सम्मान को लेकर समाज की सोच अभी तक प्रगतिशील नहीं हो पाई है।अधिकतर परिवार में असमानता पाई जाती है। महिलाओं को अकसर परिवार में समझौते करने और दूसरों की जरूरतों को अपने ऊपर रखने की सीख दी जाती है।कार्यस्थल पर भेदभाव देखने को पाया गया है । महिलाओं को अक्सर उनके कौशल से नहीं, बल्कि उनके लिंग से आंका जाता है। कई बार उन्हें उनकी क्षमता के अनुसार वेतन और प्रमोशन नहीं मिलता। सामाजिक दबाव में हमेशा बंधी रहती है महिलाएं । महिलाओं को हमेशा परफेक्ट बेटी, पत्नी और मां बनने के आदर्श पर खरा उतरने का दबाव झेलना पड़ता है। क्या महिलाओं के सम्मान का महत्व समाज समझता है?महिलाओं के बिना समाज का विकास असंभव है। वे न केवल परिवार को संजोती हैं, बल्कि समाज और देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करती हैं। उनका सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी और आवश्यकता दोनों है। महिलाओं के सम्मान की शुरुवात हमे अपने घर से करनी चाहिए। जब महिलाएं घर में समान अधिकार और सम्मान पाएंगी, तो वे अधिक आत्मनिर्भर और खुशहाल होंगी। इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ेगा। महिलाएं केवल घर और समाज की धुरी ही नहीं, बल्कि बदलाव की प्रतीक भी हैं। उन्हें चांद पर भेजने वाली सोच को उनके जीवन के हर पहलू में उतारने की जरूरत है। जब हर महिला को उसके अधिकार, सम्मान और अवसर मिलेंगे, तभी समाज और देश असली प्रगति करेगा।महिलाओं का सम्मान केवल एक कर्तव्य नहीं, बल्कि एक अनिवार्य कदम है, जो हमें बेहतर भविष्य की ओर ले जाएगा।

महिलाओं ने खुलकर की बात

महिलाओं के आज की स्थिती पर समाज के कई प्रबुद्ध महिलाओं ने खुलकर बात की। महिलाएं बोली कार्यस्थल पर समानता होनी चाहिए । महिलाओं को समान अवसर और वेतन देने से न केवल कार्यक्षेत्र में उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि एक स्वस्थ और न्यायसंगत वातावरण भी बनेगा। सामाजिक सुधार से समाज को मजबूती मिलेगी। महिलाओं को निर्णय लेने और अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेने का अधिकार देकर समाज को मजबूत बनाया जा सकता है। महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने और सम्मान से सर उठा कर चलने के लिए खुद को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पहल स्वयं से करना चाहिए।

शिक्षा और जागरूकता : लड़कियों और महिलाओं को सशक्त बनने के लिए शिक्षा और कौशल विकास का अवसर लेना आवश्यक है।
मिटू राय (संस्थापिका अध्यक्ष शिव संस्कृति कला फाउंडेशन)

कानूनी अधिकारों का पालन :महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए बने कानूनों की सहायता लेनी चाहिए।
गरिमा शुक्ला (समाजसेविका / अध्यापिका)

सोच में बदलावः परिवार और समाज को यह समझाना होगा कि महिलाएं केवल घर की जिम्मेदारी तक सीमित नहीं हैं। परिवार उनके सपनों और अधिकारों का सम्मान करे।
सपना गुप्ता (जीवन बीमा प्रतिनिधि)

महिला नेतृत्व को बढ़ावाः महिलाओं को नेतृत्व भूमिकाओं में आकर समाज में अपनी शक्ति और क्षमता को प्रदर्शित करना आवश्यक करना चाहिए।
रंजना सिंह, (उपाध्यक्ष समीक्षा फाउंडेशन)

प्रियंका गांधी की सक्रिय राजनीति कांग्रेस को दिलाएगी बढ़त!

» वायनाड में जबरदस्त जीत, राहुल गांधी को भी छोड़ा पीछे

» संसद में भाई के साथ मिलकर मोदी सरकार को घेरेंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वायनाड में प्रियंका ने सबको पटकनी देकर लोकसभा चुनाव जीत लिया। पिछले 25 साल से पर्दे के पीछे से कांग्रेस को कईबार मझदार से बाहर निकालने वाली प्रियंका गांधी अब सक्रिय राजनीति आ गईं हैं। अपनी दादी पूर्व प्रधानमंत्री स्व इंदिरा गांधी की विरासत को आगे बढ़ाने को पूरी तरह से तैयार हैं।

अपनी जीत के बाद उन्होंने वायनाड की जनता को आभार जताया। उधर उनकी जीत पर सियासी जानकारों का कहना है कि प्रियंका के सक्रिय होने से कांग्रेस को फायदा होगा। इसी के साथ वह अपने भाई व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ मिलकर संसद में एनडीए व मोदी सरकार को घेरेंगी।

राहुल गांधी ने 3 लाख वोटों के बड़े अंतर से एनी राजा को हराया था

अगर बात 2024 की करें तो वायनाड लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने 6,47,445 वोटों के साथ बड़ी जीत दर्ज की। उन्होंने सीपीआई की एनी राजा को 3,64,422 वोटों के अंतर से हराया. वहीं, बीजेपी उम्मीदवार के सुरेंद्रन 1,41,045 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। राहुल गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में भी वायनाड सीट से चुनाव लड़ा था और एक ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी. उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी, सीपीआई (एम) के पीपी सुनीर को 4,31,770 वोटों के बड़े अंतर से हराया था. यह अंतर भारतीय चुनावी इतिहास में सबसे बड़े जीत के अंतर में से एक था. राहुल गांधी को लगभग 7,06,367 वोट मिले थे. वहीं, पीपी सुनीर को लगभग 2,74,597 वोट मिले थे. 2024 के वायनाड उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस सीट को संभालते हुए अपनी पहली लोकसभा चुनाव में शानदार बढ़त बनाए हुए है।

प्रियंका ने हासिल किए रिकॉर्ड वोट

प्रियंका गांधी वाड्रा ने 2024 के वायनाड लोकसभा उपचुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को लगभग 4 लाख वोटों के अंतर से हराती नजर आ रही हैं। राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद प्रियंका ने पहली बार चुनावी मैदान में कदम रखा है। इस वायनाड सीट पर कुल 16 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, लेकिन प्रियंका गांधी की बढ़त ने मुकाबले को एकतरफा बना दिया है. प्रियंका गांधी अगर जीतती हैं तो यह जीत कांग्रेस पार्टी के पॉजिटिव संकेत होगा और प्रियंका का आत्मविश्वास बढ़ेगा। ये नतीजे आगामी चुनावों में पार्टी की रणनीति और नेतृत्व को प्रभावित कर सकती है।

मैं संसद में जनता की आवाज बनूंगी : प्रियंका

वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को वायनाड लोकसभा उपचुनाव जीत लिया है, जो उनकी पहली चुनावी जीत है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने भाई राहुल गांधी द्वारा हासिल किए गए वोटों के अंतर को पार कर लिया। इसके बाद प्रियंका ने एक्स पर ट्वीट किया कि वायनाड की मेरी प्यारी बहनों और भाइयों, आपने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं कृतज्ञता से अभिभूत हूं। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि समय के साथ, आप वास्तव में महसूस करें कि यह जीत आपकी जीत है और जिस व्यक्ति को आपने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है वह आपकी आशाओं और सपनों को समझता है और आपके लिए लड़ता है। मैं संसद में आपकी आवाज़ बनने के लिए उत्सुक हूं! मुझे यह सम्मान देने के लिए धन्यवाद और इससे भी अधिक आपने मुझे जो अपार प्यार दिया है उसके लिए धन्यवाद। यूडीएफ में मेरे सहकर्मी, पूरे केरल के नेता, कार्यकर्ता, स्वयंसेवक और मेरे कार्यालय के सहकर्मी जिन्होंने इस अभियान में अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत की।

मेरे भाई, राहुल सबसे बहादुर

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेरी माँ, रॉबर्ट और मेरे दो रत्नों- रेहान और मिराया, आपने मुझे जो प्यार और साहस दिया है उसके लिए कोई भी आभार पर्याप्त नहीं है। और मेरे भाई, राहुल, आप उन सभी में सबसे बहादुर हैं... मुझे रास्ता दिखाने और हमेशा मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद! इस साल के चुनाव में उत्तर प्रदेश के रायबरेली से भी जीतने के बाद, राहुल ने वायनाड सीट खाली कर दी और पार्टी ने उनकी बहन प्रियंका को उम्मीदवार बनाया, जिससे उनके चुनावी पदार्पण का मार्ग प्रशस्त हो गया। 14 लाख से अधिक पंजीकृत मतदाताओं वाले वायनाड में उपचुनाव में लगभग 65 प्रतिशत मतदान हुआ, जो इस साल अप्रैल में हुए लोकसभा चुनावों के 74 प्रतिशत के करीब से कम है और 80 प्रतिशत से अधिक मतदान से काफी कम है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

हमारा सिस्टम कब तक बना रहेगा तमाशबीन!

> चिंताजनक बात यह है कि जहरीले वायु प्रदूषण के इस तरह के हाल पर शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट द्वारा संकलित किये गये आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के लोग जिस खराब गुणवत्ता वाली वायु में सांस लेते हैं, उसके चलते इन लोगों का जीवन 11.9 वर्ष तक कम हो सकता है और अगर वायु प्रदूषण की यह स्थिति निरंतर इस तरह ही बनी रही, तो वर्ष दर वर्ष लोगों के जीवन पर यह खतरा बढ़ता ही जा रहा है।

प्रदूषण के मामले में दिल्ली के साथ लखनऊ भी कदमताल कर रहा है। नए रिपोर्ट के हिसाब से यूपी की राजधानी में प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि यह दूसरे स्थान पर है। सरकारें बड़ी-बड़ी बातें करतीं हैं पर असमय मौत के मुंह में जा रहे लोगों की जान बचाने के लिए कोई गंभीर जतन नहीं करती हैं। लोग अब बेबसी से अपने लोगों की जान जाते देख रहें हैं। हमारा सिस्टम अब भी तमाशबीन बनकर के केवल तमाशा देख रहे हैं?, वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कारगर रणनीति बनाकर के उसको धरातल पर अमलीजामा पहनाने में ना नुकर कर रहे है। चिंताजनक बात यह है कि जहरीले वायु प्रदूषण के इस तरह के हाल पर शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट द्वारा संकलित किये गये आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के लोग जिस खराब गुणवत्ता वाली वायु में सांस लेते हैं, उसके चलते इन लोगों का जीवन 11.9 वर्ष तक कम हो सकता है और अगर वायु प्रदूषण की यह स्थिति निरंतर इस तरह ही बनी रही, तो वर्ष दर वर्ष लोगों के जीवन पर यह खतरा बढ़ता ही जा रहा है।

वहीं दिल्ली एम्स ने जानलेवा रसायनों से परिपूर्ण जहरीली हवा में सांस लेने के शरीर पर दुष्प्रभाव को पहली बार अपने एक लाइव डेमो में दिखाया है, चार अलग-अलग तरह की सांस की नली वाले इस डेमो में पीएम 10, पीएम 2.5, पीएम 1 और पीएम 1.5 आकार वाले अति सूक्ष्म प्रदूषकों के शरीर पर पड़ने वाले घातक परिणाम को साफ तौर पर देखा जा सकता है। वैसे भी आकड़ों की मानें तो अकेले वर्ष 2021 में ही इस जहरीले वायु प्रदूषण ने भारत में 21 लाख लोगों के अनमोल जीवन को लीलने का कार्य किया है, क्योंकि पीएम 2.5 के कण रक्त प्रवाह के माध्यम से हमारे शरीर में घुसपैठ करके विभिन्न अंगों को प्रवाहित करते हैं और अस्थमा, हृदय रोग, तंत्रिका संबंधित रोग व स्ट्रोक आदि गंभीर बीमारियों की समस्या उत्पन्न करते हैं। हालांकि वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर श्रेणी की होने पर सर्वोच्च न्यायालय की फटकार के बाद अब दिल्ली के नेताओं को चुनावी जुमलेबाजी से कुछ फुर्सत मिली है, लेकिन बेहद अफसोस की बात यह है कि जहरीले वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए हर वर्ष बातें तो बहुत-बहुत बड़ी हुई हैं, लेकिन धरातल पर काम बहुत कम हुए हैं। इस बेहद ज्वलंत मुद्दे पर राजनेताओं में आरोप-प्रत्यारोप की नकारात्मक राजनीति जमकर के हुई है। इस मुद्दे पर भी राजनेताओं ने सिवाय जुबानी जंग, आरोप-प्रत्यारोप लगाने और अपनी जिम्मेदारी को दूसरे राज्य पर थोपने के अलावा, सिस्टम से दूरगामी रणनीति बनवा कर के कोई भी ठोस प्रभावी स्थाई कदम धरातल पर उठाने का कार्य नहीं किया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सुक्खू सरकार को राहत

केएस तोमर

हाल ही में, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने छह मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। यह निर्णय संविधान की गरिमा रक्षा में न्यायपालिका की अहम भूमिका को ही उजागर करता है। साथ ही शासन की राजकोषीय जिम्मेदारी, तथा कार्यपालिका की सीमाओं को दर्शाता है। राजनीतिक हितों को साधने के लिये विधायकों को सुविधा देने को चुनौती देकर, यह फैसला एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के शुक्रवार को आए फैसले ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा नियुक्त छह मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्ति मामले में राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट निर्देश राज्य में हटाये गए छह मुख्य संसदीय सचिवों की विधानसभा सदस्यता को बरकरार रखा है। वे विधायक बने रहेंगे।

दरअसल, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न उच्च न्यायालयों जैसे पंजाब-हरियाणा (2009), राजस्थान (2018), और गुवाहाटी (2017) के पिछले फैसलों के अनुरूप है, जिन्होंने इसी तरह मुख्य संसदीय सचिवों नियुक्तियों को अवैध ठहराया था। ये फैसले संविधान के 91वें संशोधन के तहत इन पदों पर रोक लगाने की पुष्टि करते हैं, जो राज्य विधानमंडल की कुल सीटों के 15 प्रतिशत तक मंत्रिपरिषद का आकार सीमित करता है। हिमाचल सरकार के महाधिवक्ता अनूप कुमार रतन ने राज्य का पक्ष रखते हुए दावा किया कि सीपीएस नियुक्तियां विधायिका सदस्यता को समाप्त नहीं करेंगी। उन्होंने असम के सीपीएस मामलों का हवाला दिया, जिनमें नियुक्तियों को रद्द किया गया था, लेकिन विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया गया। वहीं, भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट दायर कर सीपीएस को अयोग्य ठहराने की मांग की है। मौजूदा सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पहली नहीं है जिसने ऐसी नियुक्तियां की हों। इससे पहले 2013 में भाजपा की धूमल सरकार और कांग्रेस की वीरभद्र सिंह सरकार ने भी सीपीएस नियुक्तियों का भरपूर उपयोग किया था।

हालांकि, पूर्व जयराम ठाकुर सरकार ने ऐसी नियुक्तियां करने से परहेज किया। इन पदों को रद्द कर, कोर्ट ने मंत्री प्रभाव के विस्तार की एक अनौपचारिक प्रथा को रोक दिया है।

यह निर्णय अन्य राज्यों को भी अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर सकता है, खासकर जहां मुख्य संसदीय सचिवों नियुक्तियां आंतरिक पार्टी संघर्षों को प्रबंधित करने के लिए उपयोग की जाती हैं। दरअसल, सीपीएस को पदों से हटाने से प्रशासनिक संरचनाओं को सरल बनाया गया है, जिससे शक्ति के एक अनावश्यक विस्तार को समाप्त किया गया है। अब, शासन मंत्रियों और नौकरशाहों पर केंद्रित होगा, जिससे दक्षता और जवाबदेही बढ़ सकती है। निस्संदेह, सीपीएस नियुक्तियां राज्य पर वित्तीय बोझ डालती हैं। हिमाचल प्रदेश, जो पहले से ही बढ़ते कर्ज और सीमित केंद्रीय सहायता के चलते वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। यह निर्णय आर्थिक सुधारवादियों और करदाताओं के लिए लाभकारी है, साथ ही अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करता है। हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला न्यायपालिका की संवैधानिक अखंडता को सुदृढ़ करता है। यह 91वें संशोधन की प्रासंगिकता की पुष्टि करता है और भविष्य की सरकारों को संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन करने से हतोत्साहित करेगा। यह निर्णय राजनीतिक फिजूलखर्ची को सीमित कर, अन्य राज्यों में समान कानूनी चुनौतियों को प्रेरित कर सकता है। यह फैसला न्यायपालिका पर जनता के विश्वास को भी मजबूत करता है। जब हिमाचल प्रदेश को अपने कर्मचारियों को वेतन और सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन देने में कठिनाई हो रही है, तो ऐसे में इन पदों को रद्द करने को एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा सकता है।

दरअसल, मुख्य संसदीय सचिवों की अवधारणा लंबे समय से विवादास्पद रही है। अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से बनाए गए ये पद अक्सर कार्यपालिका और विधायिका के बीच शक्ति पृथक्करण को बाधित कर देते हैं। 91वें संशोधन ने मंत्रिपरिषद के आकार को सीमित करके इस तरह की विसंगतियों को दूर करने की कोशिश की गई है, जिसे राज्य सरकारें अक्सर नजरअंदाज करती हैं। हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला संकेत देता है कि इस तरह की नियुक्तियां संवैधानिक उपायों को कमजोर करती हैं। हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला अन्य राज्यों को भी सीपीएस जैसे पदों को संवैधानिक सीमाओं में रखने के लिए प्रेरित कर सकता है, जिससे न्यायपालिका का सम्मान और पारदर्शी शासन प्रणाली सुनिश्चित हो सके।

'फाइव आइज़' की निगहबानी में शामिल जापान

पुष्परंजन

हिन्द-प्रशांत में फाइव आइज को अपना व्यूह कैसे मजबूत करना है, बुधवार को इसी सवाल पर एक महत्वपूर्ण बैठक टोक्यो में आयोजित हुई। जापान फाइव आइज का सदस्य देश नहीं है। इस बैठक के हवाले से चर्चा शुरू हो चुकी है, कि 'फाइव आइज' को, 'सिक्स आइज' बनाया जाये। क्या कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं? बुधवार की बैठक में यूएस ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ, इंडो-पैसिफिक कमांड और यूएस फोर्सेज (जापान) के वरिष्ठ सलाहकारों ने भाग लिया था। इसमें जापान के सेल्फ डिफेंस फोर्सेज (एसडीएफ) का प्रतिनिधित्व, ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के सलाहकार काई ओसामू ने किया था। यह दूसरी बार है, जब जापान ने 'फाइव आइज' की बैठक में भाग लिया है। इसी साल अक्टूबर में, 'एसडीएफ' ने पहली बार नाटो में एक बैठक में शिरकत की थी, जिसमें जमीनी स्तर पर परिचालन व इंटेलिजेंस सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

फाइव आइज गठबंधन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच स्थापित एक खुफिया नेटवर्क है। इसकी उत्पत्ति 1946 में यूके-यूएसए समझौते के बाद हुई, जिसका उद्देश्य सिग्नल इंटेलिजेंस (सिगनिट) को साझा करने के लिए एक सहकारी व्यवस्था के रूप में था। समय के साथ इस साझेदारी ने अपनी पहुंच बढ़ाई है, जो वैश्विक खुफिया और सुरक्षा संचालन का एक अभिन्न अंग बन गया है। जापान, पश्चिमी क्लब से कैसे तालमेल बैठाता है, यह सवाल चीन में बैठे रणनीतिकार करने लगे हैं। चीनी विशेषज्ञों ने गठबंधन में शामिल होने के लिए जापान की उत्सुकता के बारे में चेतावनी दी, लेकिन सुझाव दिया कि चूंकि फाइव आइज के सभी देश एंग्लो-सैक्सन मूल के हैं, इसलिए जापान 'एक बाहरी व्यक्ति' लगेगा। विश्लेषकों ने कहा कि यह समूह केवल अपने वर्चस्ववादी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए जापान के अति उत्साह का उपयोग कर रहा है।

'चाइना फॉरेन अफेयर्स यूनिवर्सिटी' में जापानी अध्ययन केंद्र के उप निदेशक जोउ योंगशेंग ने कहा कि फाइव आइज केवल खुफिया जानकारी साझा करने वाला समूह नहीं है, यह जातीय विरासत और सांस्कृतिक संबंधों को भी साझा करता है। लेकिन इसके विपरीत, जापान इन देशों के साथ समान जातीय और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि साझा नहीं करता है, जो इसे इस संदर्भ में 'बाहरी' बना देगा। लू चाओ लिआओनिंग, 'अकादमी ऑफ सोशल साइंसेज' में रिसर्च फेलो हैं, उनका कहना है कि फिर से चुने गए जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा चीन के साथ नए सिरे से इंगेज हो रहे हैं, जो रियो डी जनेरो में भी दिख रहा था, लेकिन टोक्यो में फाइव आइज की बैठक के बाद जो कुछ शुरू होने जा रहा है, वह लीडरशिप के स्तर पर अविश्वास का सबब बन सकता है। इस तरह के रिएक्शंस, चीनी घबराहट को दर्शा रहे हैं। हिन्द-प्रशांत में आस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड की सक्रियता से चीन को कोई फर्क पड़ता नहीं दिख रहा था।

ऑस्ट्रेलिया, जो चीन से 2,400 मील से अधिक दूर है, जापान, फिलीपींस और ताइवान जैसे इंडो-पैसिफिक ताकतों के बरक्स कम असरदार है। चीन के बढ़ते मिसाइल शस्त्रागार, ग्रे जोन आक्रामकता में वृद्धि और प्रशांत जलमार्गों में चीनी दादागीरी, फाइव आइज देशों के लिए चिंताजनक है। ये चिंताएं केवल सैद्धांतिक नहीं हैं। ऑस्ट्रेलिया, चीनी आर्थिक दबाव का शिकार रहा है। चीन ने अप्रैल 2020 और मई 2024 के बीच ऑस्ट्रेलिया के विभिन्न आयातों को प्रतिबंधित कर दिया था। लेकिन इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने चीन से पन्गा लिया था। कोविड में चीन ने जो गड़बड़ियां की थीं, उसकी जांच की मांग ऑस्ट्रेलिया ने ही की थी, जिसे अमेरिका ने बड़ा मुद्दा बना दिया था। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने इस बात पर जोर दिया है, कि ऑस्ट्रेलिया की रक्षा का तब तक कोई मतलब नहीं है, जबतक हम क्षेत्र की सामूहिक सुरक्षा को नहीं देखते। आने वाले दशकों में कैनबरा, रक्षा बजट में भारी वृद्धि करेगा। दस वर्षों के भीतर रक्षा व्यय को लगभग दोगुना करना लक्ष्य है। वर्ष 2024 में लगभग 35 बिलियन अमेरिकी डॉलर से शुरू डिफेंस बजट, 2033 तक 66 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो जाना तय है। ऑस्ट्रेलियाई रॉयल नेवी के लिए परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों के साथ- साथ प्रशिक्षण, खरीद और निर्माण करने की योजना शामिल है। ऐसी तकनीक, जिसे अमेरिका ने पहले केवल ब्रिटेन के साथ साझा किया था।

प्रशांत क्षेत्र में चीनी आक्रामकता को रोकने के लिए अंडर वाटर क्षमताएं बढ़ाया जाना महत्वपूर्ण हैं। लेकिन, कुछ विशेषज्ञों का तर्क है कि अमेरिका को ऑस्ट्रेलिया की सहायता करने के बजाय, अपनी परमाणु पनडुब्बियों के अधिकाधिक निर्माण को प्राथमिकता देनी चाहिए। विचारणीय विषय यह भी है कि हिन्द-प्रशांत में क्या 'क्वाड' प्रभावशाली बन पाया? 'क्वाड' अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापानी गठजोड़ से निर्मित सुरक्षा-केंद्रित साझेदारी है। 2023 में, ऑस्ट्रेलिया भी अमेरिका, जापान और फिलीपींस के साथ सैन्य अभ्यास में शामिल हुआ, जिसका उद्देश्य अशांत दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस को चीन द्वारा डराने-धमकाने का मुकाबला करना था। इन सारी कवायद के बावजूद, कैनबरा अब भी पेइचिंग से भय खाता है। उसकी वजह चीन की अभेद जल घेराबंदी है।

शरीर को सर्दियों में ऐसे रखें फिट

सर्दी का मौसम आता है और इसके साथ ही विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी आ जाती हैं। सर्दी, बर्फबारी और ठंडे मौसम में शरीर को गर्म और स्वस्थ रखना जरूरी होता है। सर्दियों में शरीर का तापमान नियंत्रण में रखना, इम्यून सिस्टम को मजबूत करना, और सामान्य शारीरिक कार्यों को बनाए रखना एक चुनौती हो सकता है। इसलिए सर्दी के मौसम में अपने शरीर को सही तरीके से तैयार करना बहुत जरूरी है। सर्दियों में सबसे पहले हमें अपनी बॉडी को गर्म रखना होता है, ताकि हम ठंडे मौसम से बच सकें और शरीर में गर्मी बनी रहे। सर्दी के मौसम में इन्फेक्शन और वायरल बिमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, यह बेहद जरूरी है कि हम अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाएं।

करें व्यायाम

सर्दियों में शारीरिक गतिविधियों में कमी आ जाती है क्योंकि ठंड के कारण बाहर जाना कठिन हो सकता है। फिर भी, नियमित व्यायाम शरीर को गर्म रखने और सेहतमंद बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है। सर्दियों में कसरत को बाहर करने के बजाय घर के अंदर करें। आप योग, स्ट्रेचिंग, जंपिंग जैक्स, स्क्वाट्स या वॉकिंग जैसे हल्के व्यायाम कर सकते हैं। इससे शरीर में रक्त संचार बेहतर होगा और शरीर गर्म बना रहेगा। इसके अलावा ठंड के मौसम में मालिश से भी शरीर को गर्म रखने में मदद मिलती है। गर्म तेल से मालिश करना शरीर के मांसपेशियों को आराम देता है और रक्त परिसंचरण में सुधार करता है।

खाएं सूखे मेवे और ताजे फल

सर्दियों में सूखे मेवे जैसे बादाम, काजू, अखरोट, और मुट्ठी भर किशमिश का सेवन करें। ये शरीर को गर्म रखने में मदद करते हैं और शरीर को पोषण भी प्रदान करते हैं। इसके अलावा, ताजे फल जैसे सेब और पपीता खाएं, जो आपकी त्वचा और इम्यून सिस्टम को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा विटामिन डी और सी इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करते हैं। सर्दियों में सूरज की रोशनी कम मिलती है, जिससे विटामिन डी की कमी हो सकती है। इसलिए, विटामिन डी के स्रोतों को आहार में शामिल करें, जैसे कि दूध, अंडे, मछली, और मशरूम।

अदरक और तुलसी का सेवन

अदरक और तुलसी सर्दी, जुकाम और फ्लू से बचने के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। आप अदरक की चाय या तुलसी के पत्तों का काढ़ा बना सकते हैं। यह आपके शरीर को अंदर से गर्म करता है और इम्यून सिस्टम को बूस्ट करता है। इसके अलावा सर्दी में शरीर को गर्म रखने के लिए गर्म पानी से स्नान करना एक अच्छा विकल्प है। यह आपके रक्त संचार को बेहतर बनाता है और आपको गर्म रखता है। वहीं रात को सोते समय, आप गर्म पानी की बोतल या हीटिंग पैड का उपयोग कर सकते हैं, ताकि शरीर को नमी और ठंड से बचाया जा सके। लेकिन अत्यधिक गर्म पानी से स्नान करने से त्वचा की नमी उड़ सकती है।

पर्याप्त पानी पिएं

सर्दियों में पानी पीने की आदत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ठंडे मौसम में भले ही प्यास कम लगे, लेकिन शरीर को हाइड्रेटेड रखना बहुत जरूरी है। पर्याप्त पानी पीने से शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में मदद मिलती है और त्वचा भी सूखी नहीं पड़ती। इसके अलावा सर्दियों में त्वचा का सूखना एक सामान्य समस्या है। इसे रोकने के लिए शरीर पर अच्छे मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। शरीर को रोजाना तेल से मालिश करने की आदत डालें। इसके अलावा सही आहार न केवल शरीर को गर्म रखता है, बल्कि यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है। सर्दी में ठंडी चीजों से बचना चाहिए, जैसे कि ठंडी ड्रिंक, आइसक्रीम आदि। इसके बजाय गरम सूप, चाय, हॉट चॉकलेट और गरम पानी का सेवन करें। आप दाल, सब्जियों और मसालेदार खाद्य पदार्थों का सेवन करें, क्योंकि ये शरीर में गर्मी बनाए रखते हैं।

सही कपड़े पहनें

सबसे पहला और आसान तरीका यह है कि आप सही तरह के कपड़े पहनें। सर्दी के मौसम में ऊनी कपड़े, रेशमी जैकेट्स और स्वेटर्स पहनना चाहिए। खासकर ऊनी वस्त्र शरीर की गर्मी को बनाए रखते हैं। तापमान के हिसाब से ढंग से कपड़े पहनें, ताकि आप न बहुत ठंड महसूस करें और न बहुत गर्म। घर के अंदर तापमान को नियंत्रित करना भी जरूरी है। यदि घर में हीटर है तो उसका इस्तेमाल करें। इसके साथ ही आपको ध्यान रखना होगा कि घर में हवा का आदान-प्रदान भी बना रहे, ताकि हवा ताजगी बनाए रखे।

मनीष कुमार मौर्य

हंसना मना है

गर्ल- क्या कर रहे हो? बॉय- मक्खियां मार रहा हूं, गर्ल- कितनी मारी? बॉय- 3 मेल और 2 फीमेल, गर्ल- कैसे मालुम? बॉय- क्योंकि, 3 दारू की बोतल से चिपकी थी और 2 फोन से।

वाह प्रभु, अजब तेरी लीला है, चूहा बिल्ली से डरता है, बिल्ली कुत्ते से डरती है, कुत्ता आदमी से डरता है, आदमी बीवी से डरता है, और बीवी चूहे से डरती है।

पति रोज किचन में जाता और चीनी का डिब्बा खोलकर देखता और फिर बंद करके रख देता, पत्नी- रोज रोज ये क्या करते रहते हो? पति- चुप कर, डॉक्टर ने कहा है, रोज अपनी शुगर चेक करते रहो।

पति-पत्नी मंदिर में पूजा करने गये, पति- तुमने क्या मांगा? पत्नी- आप और मैं सात जन्म तक साथ रहें और तुमने क्या मांगा? पति- भगवान करे ये मेरा सातवां जन्म हो।

एक पढ़ा-लिखा लड़का एक अनपढ़ लड़की से शादी कर लेता है दोनों एक पार्टी में जाते हैं। लड़का कहता है यदि कोई तुमसे पूछे कि यह तुम्हारे क्या लगते हैं। तो तुम कहना कि यह मेरे हस्बैंड है और मैं उनकी वाइफ हूं, उसी समय एक आदमी आता है। उस लड़की से पूछता है कि यह आपके क्या लगते हैं। लड़की कहती है कि यह मेरे हैंडपंप हैं और मैं इनकी पाइप हूं?

कहानी | बोलने वाली गुफा

बहुत पुरानी बात है, एक घने जंगल में शेर रहता था। उससे जंगल के सभी जानवर थर-थर कांपते थे। वह हर रोज जंगल के जानवरों का शिकार करता और अपना पेट भरता था। एक दिन वह पूरा दिन जंगल में भटकता रहा, लेकिन उसे एक भी शिकार नहीं मिला। भटकते-भटकते शाम हो गई और भूख से उसकी हालत खराब हो चुकी थी। तभी उस शेर को एक गुफा दिखी। शेर ने सोचा कि क्यों न इस गुफा में बैठकर इसके मालिक का इंतजार किया जाए और जैसे ही वो आएगा, तो उसे मारकर वही अपनी भूख मिटा लेगा। यह सोचते ही शेर दौड़कर उस गुफा के अंदर जाकर बैठ गया। वह गुफा एक सियार की थी, जो दोपहर में बाहर गया था। जब वह रात को अपनी गुफा में लौट रहा था, तो उसने गुफा के बाहर शेर के पंजों के निशान देखे। यह देखकर वह सतर्क हो गया। उसने जब ध्यान से निशानों को देखा, तो उसे समझ आया कि पंजे के निशान गुफा के अंदर जाने के हैं, लेकिन बाहर आने के नहीं हैं। अब उसे इस बात का विश्वास हो गया कि शेर गुफा के अंदर ही बैठा हुआ है। फिर भी इस बात की पुष्टि करने के लिए सियार ने एक तरकीब निकाली। उसने गुफा के बाहर से ही आवाज लगाई, अरी ओ गुफा! क्या बात है, आज तुमने मुझे आवाज नहीं लगाई। रोज तुम पुकारकर बुलाती हो, लेकिन आज बड़ी चुप हो। ऐसा क्या हुआ है? अंदर बैठे शेर ने सोचा, हो सकता है यह गुफा रोज आवाज लगाकर इस सियार को बुलाती हो, लेकिन आज मेरे वजह से बोल नहीं रही है। कोई बात नहीं, आज मैं ही इसे पुकारता हूं। यह सोचकर शेर ने जोर से आवाज लगाई, आ जाओ मेरे प्रिय मित्र सियार। अंदर आ जाओ। इस आवाज को सुनते ही सियार को पता चल गया कि शेर अंदर ही बैठा है। वो तेजी से अपनी जान बचाकर वहां से भाग गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

मिथुन — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क — कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी।

सिंह — कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या — धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें।

तुला — कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। अज्ञात भय रहेगा।

वृश्चिक — आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें।

धनु — भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

मकर — आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

कुम्भ — पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। चोट व रोग से बचें।

मीन — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

राजनंदिनी के रूप में इशिता राज ने लूटी महफिल

'कंधार : द बैटल ऑफ सिल्क रूट' का फर्स्ट लुक हुआ लॉन्च

जब से भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम ने वेब सीरीज को भी तवज्जो देनी शुरू की है, सिनेमा के इस सबसे बड़े मेले में वेब सीरीज बनाने वाले भी नया बाजार तलाशने आने लगे हैं। इफ्फी, गोवा के साथ आयोजित होने वाले फिल्म बाजार में इन दिनों खूब रौनक देखी जा रही है। शुक्रवार को यहां वेब सीरीज 'कंधार : द बैटल ऑफ सिल्क रूट' का फर्स्ट लुक लॉन्च हुआ और इसमें सीरीज की नायिका राजनंदिनी के रूप में दिखीं अभिनेत्री इशिता राज ने सबको चौंका दिया।

वीरता, विश्वासघात और न्याय के विषयों को छूती यह कहानी लाहौरा की एक बेहद साहसी योद्धा राजकुमारी राजनंदिनी के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार 'प्यार का पंचनामा' फेम इशिता राज ने निभाया है। सीरीज का लेखन और निर्देशन शाहिद काजमी ने किया है। गोवा के फिल्म बाजार में दो मिनट 37 सेकन्ड के इस ट्रेलर में दिखे रोंगटे खड़े कर देने वाले दृश्यों को लोगों ने खूब सराहा।

ट्रेलर की शुरुआत हालांकि रजा मुराद की आवाज से होती है और ये इसकी ब्रांडिंग की बड़ी बाधा भी रही है, लेकिन 'यह कहानी है लाहौर की एक महारानी की, एक योद्धा की' सुनने के बाद जो कुछ परदे पर आता है, वह देखने लायक है। सीरीज का ट्रेलर इसे बनाने में की गई मेहनत को भी साफ दिखाता है। सीरीज निर्देशक शाहिद काजमी के मुताबिक इसे बनाने से पहले उनकी रिसर्च टीम ने महीनों तक गहन शोध किया और तब कहीं जाकर इसकी कहानी पर काम पूरा किया गया। लेखक-निर्देशक शाहिद काजमी बताते हैं कि 1390 के दौर की यह कहानी एक ऐतिहासिक ड्रामा है। वेब सीरीज कंधार बहादुर योद्धा राजनंदिनी के बारे में है। किस तरह उन्होंने अपनी वीरता से इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया, सीरीज यह प्रभावी रूप से दर्शाती है। गोवा के फिल्म बाजार में इसका ट्रेलर लांच होना और ऐसी प्रतिक्रिया मिलना सीरीज के लिए अच्छा संकेत है। आशा है कि दर्शकों को यह वीर गाथा पसन्द आएगी। वहीं सीरीज में अपने लुक को मिली वाहवाही के बाद बेहद खुश नजर आ रहीं अभिनेत्री इशिता राज कहती हैं।

नार्थ और साउथ इंडस्ट्री एक दूसरे के खिलाफ खेलना बंद करें: तमन्ना

तमन्ना भाटिया को बतौर अभिनेत्री एक बड़ा मुकाम दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय करके मिला। बाद में वह हिंदी फिल्मों का भी हिस्सा बनीं। वह दोनों ही फिल्म इंडस्ट्री की फिल्मों में लंबे समय से अभिनय कर रही हैं। उनकी कई हिंदी और साउथ की फिल्में हिट भी हुई हैं। राजधानी लखनऊ फिल्म सिकंदर का मुकद्दर एक थ्रिलर स्टोरी के सिलसिले में आयीं तमन्ना से नॉर्थ और साउथ इंडियन फिल्मों की डिबेट के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि हम इन दोनों इंडस्ट्रीज में मतभेद पैदा करना बंद करें। उन्होंने कहा, नॉर्थ और साउथ इंडस्ट्री को साथ मिलकर चलना चाहिए और एक पैन इंडिया फिल्म बनानी चाहिए। वह यह भी कहती हैं कि इन दोनों इंडस्ट्रीज को एक-दूसरे के खिलाफ खेलना बंद करना चाहिए। यह सब लंबे समय से हो रहा है और इस कारण काफी नुकसान भी हुआ है। अब दक्षिण और उत्तर भारत वाली फिल्मों की बहस को खत्म किया जाना चाहिए।

सिकंदर का मुकद्दर को लेकर उत्साहित

नेटफ्लिक्स पर जल्द ही तमन्ना भाटिया की फिल्म सिकंदर का मुकद्दर रिलीज होगी। इसमें उनके साथ अभिनेता अविनाश तिवारी और जिमी शेरगिल भी नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर वह काफी खुश है। इसमें तमन्ना का रोल काफी हटकर होने वाला है।

कहानी है रोमांच से भरी

तमन्ना भाटिया की फिल्म सिकंदर का मुकद्दर एक थ्रिलर स्टोरी है। इसमें हीरे की चोरी की एक अनसुलझी कहानी दिखाई जा रही है। एक पुलिस ऑफिसर इस चोरी को अंजाम देने वाले लोगों की तलाश में लगा हुआ है। फिल्म में तमन्ना का रोल काफी रहस्य से भरा है। साथ ही इस फिल्म की कहानी भी दर्शकों को रोमांचक अनुभव देने वाली साबित होगी।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड में नये लोगों को अवसर मिलना चाहिए : मनोज वाजपेयी

मनोज वाजपेयी एक फिल्म डिस्पैच को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म में वह एक खोजी पत्रकार के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म का टीजर कुछ समय पहले ही रिलीज हुआ है। इसमें मनोज का किरदार बहुत ही उलझा हुआ सा नजर आता है। वह खुद को रिलेवेंट बनाए रखने की कोशिश में लगा हुआ है। इस फिल्म में उनके साथ अर्चिता अग्रवाल भी हैं। उनके अभिनय से मनोज काफी प्रभावित हैं। हाल ही में उन्होंने नए कलाकारों को लेकर एक बयान दिया। इसमें बॉलीवुड के लिए जरूरी बातें भी कहीं। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि बॉलीवुड में नए लोगों को अवसर मिले। मनोज का कहना है कि किसी भी अच्छी इंडस्ट्री की पहचान होती है कि वहां हर तरह की फिल्में बनें, हर तरह के लोगों को मौका मिले। उनका मानना है कि जब नए कलाकार और लोग फिल्मों का हिस्सा बनते हैं तो वह एक नई ऊर्जा उसमें डालते हैं। इससे फिल्में और बेहतर बनती हैं। मनोज आगे कहते हैं कि आखिर में हम सभी का एक ही मकसद है कि ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक अच्छी फिल्में पहुंचे। वह यह भी कहते हैं कि जब दर्शक अलग-अलग तरह की फिल्में देखता है तो इससे फिल्म इंडस्ट्री को ही फायदा होता है। हमें अच्छी और अलग किस्म की फिल्में बनाने की प्रेरणा मिलती है। इससे और ज्यादा लोगों को फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलता है। इससे रचनात्मक काम भी लगातार होता रहता है। इस इंटरव्यू में मनोज अपनी फिल्म डिस्पैच की सह-कलाकार अर्चिता अग्रवाल की भी काफी तारीफ करते हैं। वह बताते हैं कि शायद यह उनकी पहली फिल्म है लेकिन उन्होंने बहुत शानदार काम किया। इस बात का श्रेय निर्देशक को जाता है, जिन्होंने नए लोगों को मौका दिया। वह यह भी कहते हैं कि जब नए कलाकार बेहतरीन अभिनय करते हैं तो हमें भी खुशी होती है।

कुत्ते रोते नहीं बल्कि हौल करके दूर स्थित अपने साथी को पास बुलाते हैं

आपने ध्यान दिया होगा कि कभी-कभी आपके घर के बाहर रात में कुत्ते अजीब-अजीब सी डरावनी आवाजें निकालकर रोते हैं। कई बार तो आप इन आवाजों के सुनकर दहशत में आ जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुत्ते रात में इतनी डरावनी आवाज निकालकर क्यों रोते हैं?

कुत्तों के रात में रोने की कई प्रचलित कहानियां हैं। कई कहानियां तो इतनी डरावनी हैं जिन्हें सुनकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। प्रचीन काल से हमारे समाज में कई मान्यताएं चली आ रही हैं। ऐसी ही एक मान्यता है कि कुत्ते का घर के बाहर रोना बुरा होता है। घर के बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि कुत्ते का घर के बाहर रोना अपशकुन होता है। बुजुर्गों का कहना है कि कुत्ते के रोने का मतलब है आने वाले समय में घर में किसी की मृत्यु होने वाली है। यानि कि बुजुर्ग मानते हैं कि कुत्तों को पहले से अंदेशा हो जाता है कि घर में कोई मरने वाला है। ऐसी बात सुनकर जाहिर है कि कोई भी डर जाएगा। वहीं, ज्योतिष का मानना है कि कुत्ते तब सबसे ज्यादा रोते हैं, जब उनके आस-पास कोई आत्मा होती है। ज्योतिष कहते हैं कि जिस आत्मा को आम व्यक्ति अपनी आंखों से नहीं देख सकता, उसे कुत्ते देख लेते हैं और डर के मारे रोने लगते हैं। यही कारण है कि लोग अपने आसपास कुत्ते को रोता देख भगाने लगते हैं। वहीं विज्ञान कुछ और मानता है। विज्ञान कहता है कि कुत्ते कभी रोते ही नहीं हैं। वो हौल करते हैं। विज्ञान का कहना है कि कुत्ते दरअसल रात में ऐसी आवाज निकालकर सड़क या इलाके से दूर अपने दूसरे साथी तक एक मैसेज पहुंचाते हैं। कुत्ते इस आवाजा के जरिए अपने साथियों तक यह संदेश पहुंचते हैं कि वर्तमान समय में वह कहां पर हैं। इसके अलावा कुत्ते दर्द में भी रोते हैं। कुत्तों में भी जीव है और उनके भी दिल पर चोट लगती है। उनको कोई शारीरिक परेशानी भी होती है तो कुत्ते हौल करते हैं। इस तरह हौल करके वह दूर कहीं अपने साथी को अपने पास बुलाने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा अकेलापन महसूस करने पर भी वह हौल करके अपने साथी को अपने पास बुला लेता है।

अजब-गजब | शायद ज्यादातर लोगों को नहीं पता है इस बात की जानकारी

वोट काउंटिंग के 45 दिन बाद तक स्ट्रांगरूम ही रखा जाता है ईवीएम को

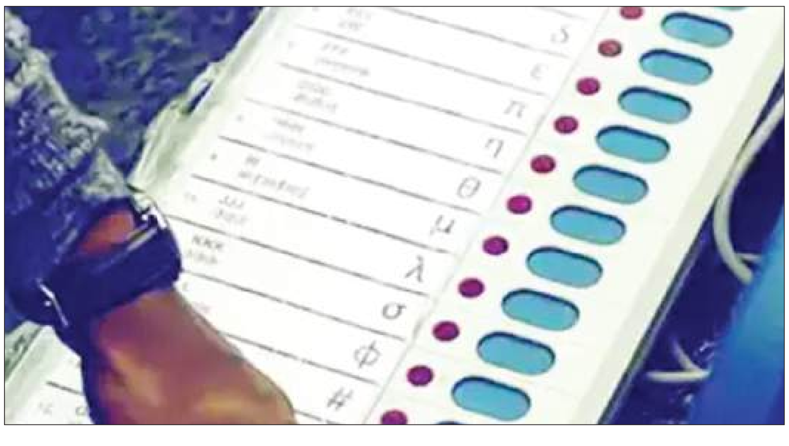

भारत में इलेक्शन के दौरान काफी उत्साह का माहौल होता है। जब से इलेक्शन की डेट की घोषणा होती है, तभी से हर पार्टी इसकी तैयारी में जुट जाती है। जहां सत्तापक्ष के ऊपर अपनी कुर्सी बचाने का दवाब होता है, वहीं विरोधी अपना शासन शुरू करने को लेकर काम में जुट जाते हैं। आजादी के बाद से भारत में चुनाव प्रक्रिया ने कई बदलाव देखे हैं।

पहले जहां चुनाव बैलेट पेपर पर होते थे, वहीं अब इसे ईवीएम के जरिये करवाया जाता है। बैलेट पेपर में कागज के टुकड़े पर पार्टी को समर्थन देकर उसे बॉक्स में डाला जाता था। लेकिन इस प्रक्रिया में कई बार फ्रॉड हो जाता था। पहले से बैलेट पेपर्स में फर्जी वोटिंग कर उसे बॉक्स में डाल दिया जाता था। ऐसे में ईवीएम की शुरुआत की गई। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक बार चुनाव खत्म हो जाने के बाद इन मशीनों का क्या किया जाता है?

भारत में नब्बे के दशक में सबसे पहले ईवीएम मशीनों का इस्तेमाल किया गया था। एक मशीन में करीब दो हजार वोट रजिस्टर किये जा सकते हैं। लेकिन इलेक्शन कमीशन के मुताबिक, चौदह सौ वोट ही एक मशीन में डाले जा सकते हैं। वोटिंग के बाद इन मशीनों को स्ट्रांग रूम में रखा जाता है। कड़ी सुरक्षा के बीच इन्हें रखा जाता है। जहां इन्हें रखा जाता है, वहां कोई भी इलेक्ट्रॉनिक मशीन नहीं रखी जाती, यहां तक कि बल्ब भी लगाए नहीं जाते हैं। एक बार काउंटिंग हो जाने के बाद इन मशीनों को 45 दिन तक स्ट्रांग रुम में ही रखा जाता है। अगर किसी पार्टी को दुबारा से काउंटिंग करवाना हो तो उनके पास 45 दिन का ही समय होता है। एक बार ये 45 दिन गुजर जाते हैं, तब इन मशीनों को स्टोरेज रुम में रखवा दिया जाता है। स्टोरेज रूम में रखे जाने से पहले भी सारे पार्टियों का एक प्रतिनिधि वहां मौजूद होता है। इसके बाद सभी से साइन करवाए जाते हैं। जब दुबारा चुनाव होता है, तब इन मशीनों को फिर से निकाला जाता है।

पंजाब की जीत से जोश में केजरीवाल, भाजपा पर उठाए सवाल, बोले-

जनता को पसंद आया काम

» कहा- लोगों ने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजना बंद कर दिया है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली चुनाव से पहले के सेमीफाइनल में हुए पास

नई दिल्ली। पंजाब विधानसभा उपचुनाव के नतीजों ने आम आदमी पार्टी में जोश और उत्साह भर दिया है। पंजाब में चार में तीन सीट पर आम आदमी पार्टी (आप) जीत गई है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के परिणाम को दिल्ली चुनाव का सेमीफाइनल बताया है। साथ ही, यह परिणाम 2027 में होने वाले पंजाब चुनाव का भी सेमीफाइनल था। उन्होंने कहा कि जनता ने बता दिया कि आप अच्छा काम कर रही है। इसके साथ अब पंजाब में आप की 95 सीटें हो गई हैं। ऐसे में आगामी दिल्ली विधानसभा को लेकर आप ने अपनी तैयारियों को और धार देनी शुरू कर दी है।

केजरीवाल ने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई दी है। उन्होंने भाजपा पर सवाल भी उठाया उन्होंने दिल्ली मॉडल ऑफ गवर्नेंस की चर्चा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली मॉडल अब देश में स्थापित हो चुका है। पहली बार दिल्ली के लोगों ने 2013 में 49 दिन की आप सरकार बनाई थी। उन 49 दिन की सरकार में देश को दिल्ली मॉडल ऑफ गवर्नेंस की एक झलक दी थी। इसमें बिजली सस्ती, मुफ्त पानी दिया। उसको देखकर एक साल बाद 2015 में जनता ने 70 में से 67 सीट दी थी। उन्होंने कहा कि पंजाब में 2022 में आप की ऐतिहासिक जीत हुई। 117 में 92 सीट जनता ने दी। ऐसे में काम की राजनीति पर दूसरी बार पंजाब के लोगों ने मोहर लगाई है। इस दौरान सांसद राघव चड्ढा, पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन, पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा और विधायक जरनैल सिंह समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। केजरीवाल ने आगे कहा कि मॉडल ऑफ गवर्नेंस है कि आम आदमी की दिन पर दिन की सहूलियत, आम आदमी की जिंदगी को कैसे बेहतर किया जाए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अभी तक इस देश के अंदर 70 साल में दूसरी पार्टियां इस बारे में बात ही नहीं करती थीं। जनता की सहूलियत, बिजली, पानी, सड़क, इनकी बात ही नहीं करती थी। आप ने बच्चों के लिए शानदार स्कूल बना दिए। अब अपने बच्चों को दिल्ली में निजी स्कूलों में भेजना बंद कर दिया है।

हमारी झाड़ू सफाई करती रहेगी : भगवंत मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि हमारी झाड़ू सफाई करती रहेगी। पंजाब में जीतकर आए हैं और आगे भी जीतेंगे। अब अगली बारी दिल्ली की है। आप के राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि पंजाब की जनता ने बता दिया कि वह आप के कार्यों से खुश हैं। जनता ने केजरीवाल की काम की राजनीति पर मुहर लगा दी है।

राजोआना की दया याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

» केंद्र सरकार ने फैसला लेने के लिए मांगा समय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की 1995 की हत्या में दोषी ठहराए गए बब्बर खालसा समर्थक बलवंत सिंह राजोआना की लंबित दया याचिका पर फैसला करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया, हालांकि केंद्र ने इस पर रोक लगा दी। मुद्दे की संवेदनशीलता देखते हुए वर्तमान में स्थिति मामले को सुलझाने के लिए अनुकूल नहीं है। जस्टिस भूषण आर गवई, जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और केवी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुए एसजी तुषार मेहता की दलीलों के बाद राजोआना की याचिका पर सुनवाई टाल दी। कहा कि मामला संवेदनशील है।

मेहता ने पीठ से कहा कि कई एजेंसियों से परामर्श की आवश्यकता है। हमें कुछ और समय चाहिए। सीबीआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने इन चिंताओं को दोहराते हुए कहा, स्थिति अभी भी निर्णय के लिए अनुकूल नहीं है। अदालत ने केंद्र की याचिका स्वीकार करते हुए मामले को चार सप्ताह के लिए टाल दिया। पंजाब पुलिस के पूर्व कांस्टेबल राजोआना को 31 अगस्त, 1995 को चंडीगढ़ में पंजाब सिविल सचिवालय के बाहर आत्मघाती हमले में बैकअप हमलावर के रूप में उनकी भूमिका के लिए 2007 में मौत की सजा सुनाई गई थी। बम विस्फोट में बेअंत सिंह और 16 अन्य लोग मारे गए थे। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने 2010 में मौत की सजा को बरकरार रखा। 2012 में राजोआना को फांसी दी जानी थी, लेकिन एसजीपीसी द्वारा उसकी ओर से दया याचिका दायर करने के बाद इस पर रोक लगा दी गई थी। वर्षों से, क्रमिक सरकारों ने याचिका पर निर्णय लेने में देरी के कारणों के रूप में राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं और पंजाब में नाजुक राजनीतिक माहौल का हवाला दिया है।

कारागार के बंदियों को भी मिले अधिकार : हैदर

» क्षय रोग से ग्रस्त बंदियों को भी केंद्र सरकार की निक्षय योजना में जोड़ा जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वरिष्ठ अधिवक्ता व सामाजिक कार्यकर्ता सैयद मोहम्द हैदर रिजवी ने कारागार में बंद बीमार बंदियों के लिए जिला कारागार में क्षय रोग से सबंधित सुविधाएं देने की मांग जिला क्षय अधिकारी को पत्र लिखा है। श्री हैदर ने कहा है कि कारागार में निरुद्ध बंदियों को भी मौलिक अधिकार उसी प्रकार प्राप्त हैं जैसे कोई भी अन्य भारतीय नागरिक को प्राप्त होते हैं। इन अधिकारों में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में प्राविधानित जीवन का अधिकार अत्यंत महत्वपूर्ण अधिकार है जिसकी परिधि में स्वास्थ्य एवं उपचार भी आता है।

वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा सीतापुर कारागार में दर्जनों की संख्या में क्षय रोग से ग्रस्त मरीज हैं, जिनको केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी निक्षय परियोजना का लाभ नहीं मिल रहा एवं विगत 6 वर्षों में (2018 – 2023) तक चिन्हित 70 मरीजों में से मात्र 9 मरीजों को योजना में पंजीकृत हो कर उक्त योजना का लाभ मिलना संभव सका है। यह स्थिति अत्यंत गंभीर एवं संवेदनशील है एवं प्रथम द्रष्टया आपके कार्यालय के द्वारा इस प्रकरण में संवेदनहीनता को दृष्टिगोचर करती है।

विद्या से ही होगा सर्वांगीण विकास: प्रो. चमू

» राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान ने मनाया अपना 35वां स्थापना दिवस समारोह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) ने विज्ञान भवन में अपना 35वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया। समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रोफेसर चमू कृष्ण शास्त्री रहे। कार्यक्रम का आरंभ श्रीमद दयानंद कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, चोटीपुरा की छात्राओं ने वैदिक मंत्रों के उच्चारण, सरस्वती वंदना और अतिथियों के दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत एनआईओएस के अध्ययन केंद्र अमर ज्योति स्कूल, कड़कड़डूमा के दिव्यांग शिक्षार्थियों ने स्वागत गीत से किया।

समारोह में उपस्थित अतिथियों का स्वागत एनआईओएस के अध्यक्ष प्रोफेसर पंकज अरोड़ा ने स्वागत उद्बोधन कर किया और स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। प्रोफेसर अरोड़ा ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए बताया कि एनआईओएस ने भारतीय ज्ञान परंपरा और देशज ज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है और सभी विषयों में उत्कृष्ट विषयवस्तु को समाहित किया जा रहा है। एनआईओएस सुदूर स्थानों तक शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। एनआईओएस के स्थापना दिवस समारोह में नए पाठ्यक्रम नाट्यकला का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि ने बटन दबाकर इलेक्ट्रॉनिकली उल्लास से निओस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रो. चमू कृष्ण शास्त्री ने कहा विद्या से ही मनुष्य का सर्वांगीण विकास संभव है क्योंकि विद्या के माध्यम से ही मनुष्य के अंदर सही और गलत को समझने की शक्ति उत्पन्न होती है।

एनआईओएस लाखों प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों का सपना कर रहा पूरा

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान की स्थापना 23 नवंबर 1989 को हुई थी। एनआईओएस ने देश को लाखों प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों को उनका सपना पूरा करने के लिए उन्हें एक आधार प्रदान किया है। समारोह में एनआईओएस के पूर्व शिक्षार्थियों ने अपना अनुभव साझा किया और बताया कि उनके जीवन को एक सही दिशा देने में एनआईओएस ने बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है उन्होंने कहा कि एनआईओएस के कारण ही वो अपने लक्ष्य की तरफ अग्रसर रहते हुए साथ ही साथ अपनी पढ़ाई भी पूरी की। इससे उनके सपनों को एक नई उड़ान मिली।

भारत ने पर्थ में तोड़ा ऑस्ट्रेलिया का घमंड

» पहला टेस्ट 295 रन से जीतकर सीरीज में 1-0 की बनाई बढ़त

» बुमराह ने मैच में लिए आठ विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पर्थ। पर्थ में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हरा दिया है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में कंगारू टीम 238 रन पर सिमट गई। भारत ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में 104 रन पर सिमट गई। भारत को पहली पारी के आधार पर 46 रन की बढ़त मिली थी।

दूसरी पारी भारत ने छह विकेट पर 487 रन बनाकर घोषित कर दी थी और कुल बढ़त 533 रन की हासिल की थी। इस टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में चार टेस्ट खेले थे और सभी जीते थे। पांचवें में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2021 में गाबा में भी भारत ने ऑस्ट्रेलिया का घमंड तोड़ा था। पर्थ में भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने कुल आठ विकेट लिए। जिनके सामने कंगारू बल्लेबाजों की एक नहीं चली। खास बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया की तुलना में कम अनुभव वाली टीम ने कंगारुओं को चौंकाया है। पर्थ की उछाल और गति वाली पिच पर मेजबान को डरा कर रखना शानदार बात रही। भारत का यह ऑस्ट्रेलिया में रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत भी है। 295 रन से यह मुकाबला जीतने से पहले भारत ने मेलबर्न में 1977 में 222 रन से जीत दर्ज की थी। वहीं, 2018 में भारत ने मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया को 137 रन से हराया था।

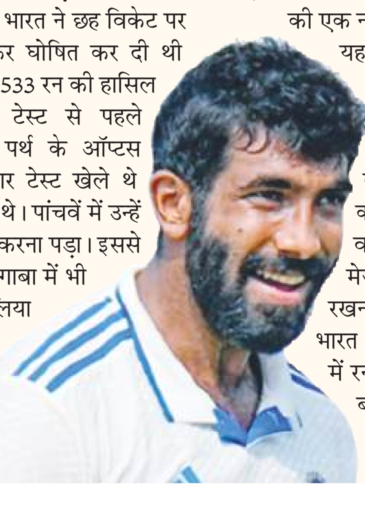

पंत बने आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी

जेद्दाह। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ में खरीदा। उन्होंने इस मामले में श्रेयस अय्यर को पीछे छोड़ा। पंजाब किंग्स ने उन्हें 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। पैट कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद ने 20.50 करोड़ रुपये में खरीदा। मिचेल स्टार्क कोलकाता नाइट राइडर्स ने 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा। इस बार नीलामी में श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह, जोस बटलर और मिचेल स्टार्क जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की भी बोली लगी जिन्हें उनकी टीमों ने रिटेन नहीं करने का फैसला किया था।

सोरेन पार्ट–टू तैयार, 28 को लेंगे शपथ

संभावित मंत्रिमंडल में कई पुराने मंत्रियों के नाम शामिल, विपरीत परिस्थितियों में चुनाव जीतकर आये अनुभवी नये लोगों को भी किया जाएगा शामिल

» रांची के मोरहाबादी मैदान में होगा शपथ ग्रहण समारोह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। गुरूवार को हेमंत सोरेन झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। भारतीय जनता पार्टी को हराकर एक बार फिर से वह मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। सोरेन के आवास पर बैठक में उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया और उसके बाद उन्होंने गवर्नर से मिलकर सरकार बनाने का दावा किया। गवर्नर ने उन्हें अगले मुख्यमंत्री की शपथ तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के तौर पर कार्य करने का निर्देश दिया।

झारखंड विधानसभा चुनाव में 81 में से 56 सीटों पर जीत दर्ज करने के बाद इंडिया ब्लॉक की बैठक हुई जिसमें उन्होंने साफ कर दिया कि इस बार सरकार का एजेंडा विकास की बयार लाने वाला है। हेमंत सोरेन का रांची के मोरहाबादी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन होगा। गठबधंन के संभावित मंत्रियों के साथ वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगें। कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय ने कहा कि इंडिया ब्लॉक की सहयोगी पार्टियों ने हेमंत सोरेन को विधायक दल का नेता चुन लिया है। उन्होंने कहा कि उनके चेहरे पर ही चुनाव लड़ा गया था और जनता ने उनके काम को और उनके संघर्ष को ही पंसद किया। राज्यपाल से मिलने के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि महागठबंधन की ओर से नये सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू कि जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने वर्तमान सरकार से इस्तीफा देते हुए आगामी सरकार की गठन का आवेदन और दावा राज्यपाल के समक्ष पेश किया है। इस क्रम में कांग्रेस प्रभारी, आरजेडी और वाम दल के प्रभारी भी साथ है।

शपथ ग्रहण में राहुल, अखिलेश समेत सभी दिग्गज होंगे शामिल

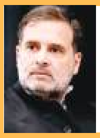

सोरेन के शपथग्रहण में राहुल गांधी समेत गठबंधन के दूसरे नेता शामिल होंगे। जम्मू–कश्मीर से अबदुल्ला परिवार, उत्तर प्रदेश से अखिलेश यादव, बिहार से तेजस्वी यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी शपथ ग्रहण में शामिल होंगी।

संभावित मंत्रिमंडल

झारखंड में सोरेन पार्ट–टू के संभावित मंत्रियो में जमाताड़ा से भारी मतो से चुनाव जीतकर आये इरफान अंसारी का नाम सबसे उपर चल रहा है। उन्होंने हेमंत सोरेन की भारी जोकि बागवत करके बीजेपी के? टिकट पर चुनाव लड़ी थी से चुनाव जीता है। अंसारी को बीजेपी ने टारगेट किया था। 40 हजार से ज्यादा वोटो से चुनाव जीतने वाले अंसारी ने कहा है कि जिस प्रकार से उन्हें टारगेट किया गया था वह काफी डर गये थे। वहीं पार्ट वन में कैबिनेट मिनिस्टर रह चुके डॉ. रामेश्वर उरांव का नाम भी मंत्रियों की फेहरिस्त मे टॉप पर है। उन्हें दोबारा मंत्री पद मिलने की संभावना है।

महाराष्ट्र में चुनावों के नतीजे आने के बाद भी मची रार

» महायुति में फंस रहा सीएम को लेकर पेंच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनावों के नतीजे आने के बाद से दोनों गठबंधनों में वार–पलटवार जारी है। जहां कांग्रेस में हार के बाद इस्तीफों का दौर शुरू हो गया हे तो महायुति में सीएम को लेकर रार मची हुई हैं। भाजपा, एनसीएपी–अजित गुट, शिवसेना–यूबीटी अपनी–अपनी पार्टी का मुख्यमंत्री बनाना चाह रहें है।

हालांकि तीनों दलों का शीर्ष नेतृत्व इस पर चर्चा कर रही है पर अभी अंतिम फैसला नही हो पाया है। इसबीच नाना पटोले ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का पद छोड़ा दिया है। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को महज 16 सीटों पर जीत मिली। वहीं महाविकास अघाड़ी को भी बड़ी हार का सामना करना पड़ा। महाराष्ट्र विधानसभा में 101 सीटों पर लड़ी कांग्रेस ने केवल 16 सीटें जीतीं और 12.42 वोट प्रतिशत वोट मिले।

नवनिर्वाचित महायुति सरकार अपने चुनावी वादों पर रखें नजर : नाना

नाना पटोले ने कहा था कि वो यह सुनिश्चित करेंगे कि नवनिर्वाचित महायुति सरकार अपने चुनावी घोषणा-पत्र और भाषणों में राज्य की जनता से किए गए वादों को पूरा करे। कांग्रेस नेता ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था कि महायुति को मुख्यमंत्री मांझी लाडकी बहिन योजना के तहत महिलाओं के लिए मासिक भत्ता 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,100 रुपये करने का अपना वादा तुरंत पूरा करना चाहिए।

अजित की पसंद फडणवीस!

महाराष्ट्र के चुनावी नतीजों के बाद मख्यमंत्री पद को लेकर चर्चा तेज है। इस पद को लेकर एकनाथ शिंदे और देवेन्द्र फडणवीस के बीच रेस है। हालांकि, सवाल यह भी है कि अजित पवार और एनसीपी मुख्यमंत्री पद को लेकर किसका समर्थन करती है। खबर है कि अजित पवार देवेन्द्र फडणवीस को महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री बनाने की वकालत कर रहे हैं। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। पवार ने ा अपने आवास पर नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक बुलाई, जहां उन्होंने महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री पर चर्चा की।

फोटो :4 पीएम

धरना उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से आये दिव्यांगजनों ने अपनी मांगों को लेकर भाजपा कार्यालय के गेट पर धरना दिया।

संभल बवाल : हिंसा प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू जैसे हालात

सपा सांसद बर्क और विधायक इकबाल के बेटों पर खिलाफ केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संभल। संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान रविवार को भड़की हिंसा के बाद सोमवार सुबह से पूरे शहर में तनाव का माहौल है। हिंसा प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू जैसे हालात हैं। प्रशासन ने स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। डीआईजी मुनिराज जी के नेतृत्व में पुलिस बल ने हिंसा प्रभावित इलाकों में फ्लैग मार्च किया। शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर बैरिकेडिंग की गई है, और प्रवेश मार्गों पर पुलिस तैनात है।

पुलिस ने अभी तक 25 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं, इलाके में बाहरी लोगों के आने पर भी रोक लगा दी गई है। इंटरनेट अब कल तक बंद रहेगा। संभल जिले में हिंसा मामले में दो थानों में मुकदमे दर्ज किए गए हैं। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क पर भी मुकदमा दर्ज किया गया है। सांसद के अलावा स्थानीय सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे पर भी मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों पर ही दंगाइयों को भड़काने का आरोप लगा है। इनके साथ 2500 लोगों पर भी केस दर्ज किया गया है। संभल शहर में फिलहाल अघोषित कर्फ्यू जैसा माहौल है। सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

बाहरी व्यक्तियों पर रोक

उधर, डीएम राजेंद्र पैंसिया ने एक दिसंबर तक जिले में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि हिंसा में शामिल आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई की जाएगी।

फोटोः सुमित कुमार

संभल में हुई हिंसक घटना को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कार्यकर्ताओं के बीच मौन रखकर अपना विरोध जताया।

बारातियों से भरी बोलेरो और मिनी बस की टक्कर

» हरदोई हादसे में चार महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में बड़ा सडक़ हादसा हुआ है। बिल्हौर कटरा राज्य राजमार्ग पर मल्लावां कोतवाली इलाके में बारातियों से भरी बोलेरो और मिनी बस की भिड़ंत हो गई। घटना में बोलेरो सवार चार महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गई। बोलेरो सवार पांच लोग घायल भी हुए हैं।

माधौगंज थाना इलाके के सेउढाई गांव निवासी दिग्विजय की शादी रविवार को थी। बरात कानपुर के शिवराजपुर गई थी। सोमवार सुबह लगभग तीन बजे सभी लोग बोलेरो से वापस गांव आ रहे थे। बिल्हौर कटरा राज्य राजमार्ग पर गौरी चौराहा के पास विपरीत दिशा से आ रही मिनी बस से बोलेरो की भिड़ंत हो गई।

घटना में सीमा देवी, प्रतिभा देवी, प्रतिभा, रामलली और शुभम की मौत हो गई जबकि विमला, केशव, शौर्य, अजय और राम हर्ष घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है । घटना की जानकारी पर अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी नृपेंद्र मौके पर पहुंचे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।